श्री चैतन्य प्रसाद, प्रधान सचिव, नगर विकास एवं आवास विभाग, बिहार, पटना–सह–प्रभारी सचिव, जिला औरंगाबाद की अध्यक्षता में "दिनांक–21.01.2018 को आयोजित होने वाले मानव श्रृंखला" की तैयारी की जिला समाहरणालय, औरंगाबाद में दिनांक 17.01.2018 को आयोजित समीक्षा बैठक की कार्यवाही :–

उपस्थिति : **उपस्थिति पंजी में दर्ज।**

जिला पदाधिकारी, औरंगाबाद द्वारा दिनांक–21.01.2018 को आयोजित होने वाले मानव श्रृंखला हेतु की गयी तैयारियों का पावर प्रजेन्टेशन के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी गयी। इनके द्वारा बताया गया कि –

- जिले में कुल 390 कि0मी0 लम्बे मार्ग को मानव श्रृंखला हेतु चिन्हित किया गया है, जिसमें से एन0एच0–2 पर 50 कि0मी0 तथा एन0एच0–98 पर 53 कि0मी0 मार्ग को चिन्हित किया गया है तथा सामान्य सड़कों पर 287 कि0मी0 चिन्हित किये गये है।
- जिले की सीमा पर विशेष बैनर/पोस्टर लगाये गये हैं। यह भी जानकारी दी गयी कि औरंगाबाद हरिहरंगज रोड, झारखण्ड एवं बिहार राज्य को जोड़ता है। दोनों राज्यों के सीमा पर विशेष रूप से पोस्टर, बैनर एवं सजावट की व्यवस्था की गयी ह एवं शिक्षा विभाग द्वारा उपलब्ध कराये गये गान को बजाते रहने का निदेश दिया गया है।
- जिला पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि पूरे 390 कि0मी0 को सुपर जोन, जोन, सेक्टर तथा सब सेक्टर में विभक्त किया गया है। सुपर जोन का प्रभारी प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, वरीय उप समाहर्त्ता एवं जिलास्तरीय पदाधिकारी को बनाया गया है। जोन का प्रभारी सुपरवाईजरी रैंक के पदाधिकारी को बनाया गया है। सेक्टर का प्रभारी संकुल समन्वयक, प्रखण्ड कार्यक्रम समन्वयक, जीविका प्रखण्ड कार्यक्रम समन्वयक साक्षर भारत, आंगनबाड़ी पर्यवेक्षक एवं प्रधानाध्यापक को बनाया गया है।
- बताया गया कि समन्वयक–शिक्षक, एरिया मैनेजर, जीविका, साक्षरता प्रेरक, टोला सेवक आदि को बनाया गया है तथा व्यवस्थापक में शिक्षक, टोला सेवक, जीविका दीदी एवं आशा को रखा गया है। श्रृंखला में खड़े बच्चों के देख–रेख हेतु 40 बच्चों पर एक व्यवस्थापक रखा गया है तथा 200 मीटर पर एक प्रधानाध्यापक को रखा गया है। 100 मीटर पर सेक्टर तथा 200 मीटर पर सब–सेक्टर बनाया गया है।
- यह भी बताया गया कि 390 कि0मी0 का माईक्रोप्लानिंग बनाया गया है, जिसमें लगभग 370665 बच्चे खड़े होंगे। बच्चों के साथ उनके अभिभावक को भी आमंत्रित किया गया है यदि अभिभावक आ जाते हैं तो मानव की संख्या लगभग पांच लाख की हो जायेगी तथा एन0एच0 पर श्रृंखला नहीं टूटे, इसे ध्यान में रखा गया है।
- जिला पदाधिकारी द्वारा यह भी बताया गया कि कुछ शिक्षक संघ द्वारा श्रृंखला का बहिष्कार करने का निर्णय लिया गया है, जिस शिक्षक संगठन के द्वारा बहिष्कार की घोषणा की गयी है, उनसे वार्ता करने हेतु जिला शिक्षा पदाधिकारी, औरंगाबाद को

निर्देशित किया गया है। इसी तरह मुखिया संघ द्वारा भी बहिष्कार करने की घोषणा की गयी है। उनसे भी वार्ता करने का निर्देश दिया गया।

- पानी एवं चिकित्सा की व्यवस्था के सम्बन्ध में सिविल सर्जन द्वारा बताया गया कि सदर अस्पताल से लेकर सभी प्रखण्ड स्तरीय अस्पतालों को अलर्ट कर दिया गया है तथा ओ0आर0एस0 एवं अन्य आवश्यक दवा उपलब्ध करा दिया गया है। यह भी बताया गया कि सभी आशा को श्रृंखला में भाग लेने एवं अन्य सहयोग प्रदान करने का निदेश दिया गया है तथा सभी को ओ0आर0एस0 भी साथ में रखने का निदेश दिया गया है। इनके द्वारा यह भी बताया गया कि सभी चिकित्सकों को निदेश दिया गया है कि अगल–बगल के नीजी अस्पतालों एवं निजी एम्बुलेन्स को तीन घंटे के लिए अलर्ट कर देंगे तथा सभी का मोबाईल नं0 ले लेंगे ताकि आपात स्थिति में उसकी सेवा ली जा सके। निदेश दिया गया कि आवश्यक होने पर निजी एम्बुलेन्स को किराये पर रखेंगे।

- यह भी निर्देश दिया गया कि व्यापक प्रचार–प्रसार कर श्रृंखला में भाग लेने का वातावरण निर्माण करने का भी निदेश दिया गया।

- जिला पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि बच्चों के साथ–साथ इच्छुक अभिभावक को भी श्रृंखला में भाग लेने हेतु अनुरोध करने का निदेश सभी प्रखण्डों के वरीय प्रभारी पदाधिकारी को दिया गया है। निर्देश दिया गया कि मेडिकल व्यवस्था को ठीक रखने तथा वृद्ध व्यक्तियों पर विशेष ध्यान दिया जाय।

- इस संबंध में पूछे जाने पर कि जो लोग श्रृंखला में भाग लेंगे वे गांव से कब चलेंगे और किस समय अपने–अपने स्थान पर पहुंचेगें तथा उन्हें लाने ले जाने की क्या व्यवस्था है तो बताया गया सभी प्रखण्डों के वरीय प्रभारी पदाधिकारी एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी को निदेश दिया गया है कि 11:30 बजे पूर्वा0 तक सभी बच्चे अपने–अपने स्थान पर पहुंच जायेंगे। इससे पहले कितने बजे वे बच्चें विद्यालय में आयेंग, इससे संबंधित समय निर्धारित कर दिनांक–18.01.2018 को प्रभारी पदाधिकारी को अवगत कराने का निदेश दिया गया है। साथ ही यह भी निदेश दिया गया कि सुबह विद्यालय आने पर सभी बच्चों की उपस्थिति लिया जायेगा तथा श्रृंखला के बाद उपस्थिति लेकर ही उसे छोड़ेंगे।

- जिला पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि जिला शिक्षा पदाधिकारी को निदेश दिया गया है कि उस दिन मध्याह्न भोजन सुबह बनेगा। उस दिन मध्याह्न भोजन में अण्डा कढ़ी और चावल बनाया जायेगा तथा शाकाहारी लोगों के लिए फल की व्यवस्था की गयी है।

- सभी प्रखण्डों के वरीय प्रभारी पदाधिकारी को निदेश दिया गया कि प्रखण्ड स्तरीय नियंत्रण कक्ष से जिला नियंत्रण कक्ष में प्रतिवेदन भेजा जायेगा। श्रृंखला में जितने भी भाग लेने वाले संभावित लोग हैं उनकी सूची की मांग की गयी है। शिक्षक अपनी सूची लेकर आयेंगे और वही सूची प्रखण्ड में दे देगें।

- जिला पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि जोन सीधे सब–सेक्टर से रिर्पोट लेगा तथा प्रखण्ड स्तरीय नियंत्रण कक्ष दूरभाष के माध्यम से जोन से प्रतिवेदन प्राप्त करेगा। जिस जोन से एस0एम0एस0 आ जायेगा उन्हें फोन नहीं करना है। जिला पदाधिकारी द्वारा मोबाईल वाहन का नम्बर, संयुक्त आदेश में डालने का आदेश प्रभारी पदाधिकारी, गोपनीय

शाखा, औरंगाबाद को दिया गया। सभी मोबाईल वाहन का नम्बर लेकर सेक्टर के पदाधिकारी को देने का निदेश दिया गया।

- सभी प्रखण्डों के वरीय पदाधिकारी को प्रखण्ड नियंत्रण कक्ष में रहने का निदेश दिया गया तथा सभी विभागों के पदाधिकारियों को निदेश दिया गया कि अपने–अपने विभाग को सूचित कर दें कि 11:30–11:40 बजे पूर्वा0 एवं 11:50 बजे पूर्वा0 तक नियंत्रण कक्ष को प्रतिवेदन भेजेंगे।

- सभी प्रखडों के वरीय प्रभारी पदाधिकारी को निदेश दिया गया कि बैठक कर यह सुनिश्चित कर लें कि 11:30 से 11:50 बजे पूर्वा0 तक सभी लोग अपने–अपने स्थान पर खड़ा हो जाय।

- पुलिस अधीक्षक, औरंगाबाद द्वारा बताया गया कि प्रत्येक सेक्टर में एक पुलिस पदाधिकारी को लगाया जा रहा है। यह भी बताया गया कि औरंगाबाद का सीमा झारखण्ड राज्य से सटा है। झारखण्ड राज्य में श्रृंखला का आयोजन नहीं हो रहा है, इसलिए वहां के पुलिस पदाधिकारियों से वार्ता किया गया है कि दो घंटे के लिए बड़ी वाहन का आवागमन रोक दिया जाय। छोटी वाहन, एम्बुलेन्स एवं अन्य आवश्यक सेवा के वाहन का संचालन होगा।

- पुलिस अधीक्षक द्वारा यह भी बताया गया कि सड़क की बायीं तरफ श्रृंखला का निर्माण किया जायेगा तथा दायीं तरफ से रास्ता को खाली रखा जायेगा। उनके द्वारा यह भी बताया गया कि बीच–बीच में जहां भी होटल वगैरह है, वहां पर भी बड़ी वाहन को रोक रखा जायेगा तथा सभी पुल–पुलिया पर भी फोर्स को लगाया जायेगा। इस कार्य में लगाने हेतु 300 होमगार्ड के जवानों को कॉलअप किया गया है तथा बिहार पुलिस एवं जिला बल को लगाया गया है।

- पुलिस अधीक्षक द्वारा बताया गया कि पुलिस विभाग का नियंत्रण कक्ष पूर्व से स्थापित है, वहीं प्रतिवेदन प्राप्त किया जायेगा। जो लोगं विरोध करेंगे, उसके लिए पहले ही चौकीदार को अलर्ट कर दिया गया है ताकि वह तुरंत खबर करे।

- पानी की व्यवस्था के संबंध में जिला पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि लोक स्वास्थ्य प्रमण्डल, औरंगाबाद द्वारा टैंकर से पानी की आपूर्ति की जाती। टैंकर भ्रमणशील रहेगा। साथ ही बीच–बीच में जहां होटल है वहां ड्राम में पानी रखा जायेगा। जिला शिक्षा पदाधिकारी को निदेश दिया गया है कि सभी विद्यालयों के बच्चों को बोतल में पानी लाने के लिए निदेशित करेंगे।

- निदेश दिया गया कि यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि किस जोन से कौन–सा चिकित्सा केन्द्र नजदीक पड़ता है और किसी आकस्मिक स्थिति में वहां लोगों को तुरंत कैसे पहुंचाया जा सकता है।

- सिविल सर्जन द्वारा बताया गया कि सभी चिकित्सा केन्द्रों में एम्बुलेन्स की व्यवस्था की गयी है और सभी चिकित्सकों को निदेश दिया गया है कि सभी अपने–अपने क्षेत्र में रहेंगे तथा सभी एम0ओ0आई0सी0 को यह भी निदेश दिया गया है कि सभी लोग अपने–अपने क्षेत्र में पड़ने वाले प्रखण्ड के प्रखण्ड विकास पदाधिकारी का नम्बर ले लेंगे तथा उन्हें अपना नम्बर दे देंगे ताकि आकस्मिक स्थिति में सम्पर्क किया जा सके। कार्डियोलॉजिस्ट की उपलब्धता के संबंध में सिविल सर्जन द्वारा बताया गया कि इस जिले में एक भी

कॉर्डियोलॉजिस्ट नहीं है। सिविल सर्जन को निदेश दिया गया कि निकटतम जिला से सम्पर्क कर कॉर्डियोलॉजिस्ट की व्यवस्था किया जाय।

- जिला शिक्षा पदाधिकारी को निदेश दिया गया कि निजी कोचिंग संस्थान से सम्पर्क कर वहां के बच्चों को भी श्रृंखला में भाग लेने के लिए उत्साहित करें।
- वरीय प्रभारी पदाधिकारी, देव प्रखण्ड द्वारा कहा गया कि देव में जहाँ श्रृंखला बनाया जायेगा वहाँ पानी की व्यवस्था नहीं है। इसलिए वहाँ टैंकर से पानी की व्यवस्था किया जाना है। कार्यपालक अभियंता, लोक स्वास्थ्य प्रमण्डल, औरंगाबाद को निदेश दिया गया कि देव में अतिरिक्त टैंकर लगायेंगे।
- सभी वरीय पदाधिकारियों को निदेश दिया गया कि स्थानीय लोगों को पानी की व्यवस्था के लिए प्रेरित करें। यह भी निदेश दिया गया कि जितने भी मोबाईल वाहन है उसपर पानी का बोतल तथा ओ0आर0एस0 रखा जाय।

धन्यवाद ज्ञापन के पश्चात् बैठक की कार्यवाही समाप्त की गयी।

19/1/2018

(चैतन्य प्रसाद),
प्रधान सचिव,
नगर विकास एवं आवास विभाग,
बिहार, पटना

ज्ञापांक– 447 /न०वि०एवंआ०वि०, पटना/ दिनांक– 19/01/18

प्रतिलिपि :– जिला पदाधिकारी, औरंगाबाद/पुलिस अधीक्षक, औरंगाबाद को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

जिला पदाधिकारी से अनुरोध है कि कार्यवाही की प्रति सभी संबंधित जिला स्तरीय पदाधिकारियों को अपने स्तर से उपलब्ध कराने की कृपा करेंगे।

19/1/2018

प्रधान सचिव

ज्ञापांक– 447 /न०वि०एवंआ०वि०, पटना/ दिनांक– 19/01/18

प्रतिलिपि :– मुख्य सचिव, बिहार/प्रधान सचिव, शिक्षा विभाग, बिहार, पटना को सूचनार्थ प्रेषित।

19/1/2018

प्रधान सचिव